खेतरी (राजस्थान) में तांबा खनन कार्य

5743. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्री बेणी शंकर शर्मा :
श्री ना० स्व० शर्मा :
श्री ओंकार सिंह :

क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि खेतरी (राजस्थान) में तांबा खनन कार्य किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो विभिन्न देशों से कितनी सहायता प्राप्त की गई है; और

(ग) वर्ष 1962 से 1967 तक कितनी प्रगति हुई है ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्री (डा० चेन्ना रेड्डी) : (क) हां, महोदय । खेतरी में एक तांबे की खान का विकास किया जा रहा है ।

(ख) खेतरी तांबा परियोजना के विकास के लिये वित्तीय तथा तकनीकी सहायता प्राप्त करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय खनिज विकास निगम ने मैसर्स विनोटपिक, ऐनसा और अन्य के एक फ्रांसीसी कम्पनियों के समूह के साथ समझौता किया है । समझौते की शर्तों के अनुसार फ्रांसीसी कम्पनियां प्लांट और उपकरण का डिजाइन बनायेंगी और परियोजना के सम्बन्ध में इंजीनियरिंग विशेषज्ञों और परामर्शदाताओं का काम करेंगी । ये कम्पनियां ऐसा उपकरण भी प्रदान करेंगी जिसको विदेशों से मगवाना आवश्यक है । परियोजना की विदेशी मुद्रा की आवश्यकता जिसमें डिजाइन बनाने का खर्च उपकरण की लागत और निर्माण की देख भाल करने तथा प्लांट को लगाने और चालू करने के लिए भारत को विशेषज्ञों के भेजे जाने का खर्च भी शामिल है, को फ्रांसीसी समूह 18 मिलियन डालर अमरीकन कन्जोरटियम क्रैडिट में से उपलब्ध करेगा ।

(ग) (1) ड्रिलिंग, ऐडिटिंग आदि द्वारा अन्वेषण कार्य पूरा हो गया है और अयस्क के सचयों का निश्चित रूप से पता लगाया जा चुका है । अयस्क निकाय (ओरबौडी) को चिह्नित करने के लिए और आगे अन्वेषण किया जा रहा है । पर्याप्त सैम्पल लिये जा चुके हैं और अयस्क की विशेषताओं का पता लगाने के लिए उनका विश्लेषण किया गया है । अयस्क के आचरण और तांबा उत्पादन में अपनाई जाने वाली विधा का पता लगाने के लिए पाइलट प्लांट परीक्षण भी किये गये हैं ।

(2) बनाये हुए कार्यक्रम के अनुसार खेतरी पर खान के विकास का कार्य भी शुरू किया जा चुका है । इस पर कुल 617.62 लाख रुपये की लागत आयेगी । कोलिहान खान के लिए मुख्य ऐडिटों पर कार्य भी शुरू हो चुका है ।

(3) खान के अन्दर मनुष्य और उपकरण ले जाने के लिये तथा खान में से अयस्क के दैनिक उत्पादन को बाहर लाने के लिये दो कूपक खोदे जा रहे हैं । अभी तक उत्पादन कूपक 500 फुट की गहराई तक और सर्विस कूपक 260 फुट की गहराई तक खोदे जा चुके हैं ।

सर्विस शैफ्ट में 300 मीटर के स्तर पर (शून्य के स्तर से ऊपर) एक सर्विस स्टेशन भी खोला गया है जिसका फैलाव 101 फुट तक होगा । कूपक

खोदने के काम को तेज करने के लिये सर्विस कूपक में यंत्रसज्जित उपकरण लगाया गया है और चालू कर दिया गया है ।

(4) सारे प्लांट के डिजाइन के लिए फ्रांसीसी कम्पनियों के एक समूह के साथ समझौता किया गया है ।

(5) फ्लैश प्रद्रवण विधा जिसके लिए मैसर्स प्रोटोकुम्पु ओई आफ फिन्लैंड के पास विश्व के एकस्व अधिकार हैं के प्रयोग के लिए उनके साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर भी किये गये हैं ।

(6) उनसे किये गये समझौते की शर्तों के अनुसार फ्रांसीसी समूह ने अन्वेषण उपकरण, हवा देने का उपकरण और सकेन्द्रक आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के उपकरण और प्लांट के लिए बोलियां (बिड्स) प्रस्तुत की हैं । इन बोलियों और उपकरण सम्बन्धित तकनीकी पहलुओं का परीक्षण किया गया और इनका दिल्ली में फ्रांसीसी समूह के प्रतिनिधियों के साथ होने वाली बैठकों में विवेचन किया गया । इन विवेचनों के फलस्वरूप लगभग 7 मिलियन फ्रांसीसी फ्रैंकों के मूल्य के उपकरण की सप्लाई के लिये फ्रांसीसी समूह के साथ ठेकों पर हस्ताक्षर किये जा चुके हैं। दूसरी बोलियों का परीक्षण किया जा रहा है और जिस उपकरण को विदेशों से मंगवाना आवश्यक होगा उसके लिये शीघ्र ही ऑर्डर दे दिया जायेगा । फ्रांसीसी समूह के साथ सामान्य इंजीनियरिंग और सामान्य उद्यम सम्बन्धी एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किये गये हैं । यह समझौता 30-6-67 से चालू हो चुका है ।

(7) देसी उपकरण प्राप्त करने के लिये कार्यवाही शुरू की जा चुकी है ।

(8) निगम और परामर्शदाता के कर्मचारियों की तत्कालिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये 561 रिहाइशी इकाइयों का निर्माण पूरा हो चुका है । 258 और अधिक क्वार्टर बनाने पर भी कार्यवाही शुरू की जा चुकी है ।

(9) 269 लाख रुपये की लागत पर चूनरा और जोधपुरा से लगभग 9 मिलियन गैलन पानी प्रतिदिन सप्लाई करने की एक योजना बनाई जा चुकी है और इस पर कार्य हो रहा है ।

Signal Workshops Staff

5744. Shri S. M. Banerjee :
Shri Madhu Limaye:

Will the Minister of **Railways** be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 2075 on the 9th June, 1967 and state:

(a) the number of Block and Signal Inspectors who have been transferred to supervisory cadre in the Signal Workshops on the Northern, North Eastern, Eastern, South Eastern and Central Railways;

(b) the total number of supervisory posts in the respective signal workshops; and

(c) the manner in which posting of such staff does not affect the channels of promotion of the supervisory staff on regular cadre?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha):

(a) Northern Railway	—	3
North Eastern Railway	—	5
Eastern Railway	—	Nil
South Eastern Railway	—	5
Central Railway	—	Nil
(b) Northern Railway	—	24
North Eastern Railway	—	23
Eastern Railway	—	61
South Eastern Railway	—	13
Central Railway	—	38